Date: 24 जून 2023

टाइटन त्रासदी

पाठ्यक्रम: जीएस 1 / संसाधन / जीएस 3 / संरक्षण / पर्यावरण

संदर्भ-

- ओशनगेट एक्सपीडिशन द्वारा संचालित टाइटन पनडुब्बी **अटलांटिक महासागर** में डूब गई है।
- टाइटन त्रासदी प्रस्तावित भारतीय पनडुब्बी गोता लगाने के लिए सबक प्रदान करती है क्योंकि भारत पनडुब्बी, 'मत्स्य 6000' को डिजाइन करने की प्रक्रिया में है।

टाइटन के बारे में-

- टाइटैनिक का मलबा कनाडा के न्यूफाउंडलैंड से लगभग 370 मील दक्षिण में 12,500 फीट की गहराई पर है।
- **टाइटेनियम और कार्बन फाइबर से बना है**, इसका वजन लगभग 10,432 किलोग्राम है और यह लगभग 3 समुद्री मील / 5.5 किमी प्रति घंटे की गति करता है।
- यह एक पनडुब्बी, या पानी के नीचे का वाहन है। यह निजी स्वामित्व वाली अमेरिकी कंपनी ओशनगेट द्वारा संचालित है जो अनुसंधान और पर्यटन तथा समुद्र के नीचे अभियान संचालित करता है।

पनडुब्बी और सबमर्सिबल में क्या अंतर है?

- एक पनडुब्बी में बंदरगाह से छोड़ने और अपनी शक्ति के तहत वापस बंदरगाह पर आने की पर्याप्त शक्ति होती है।
- यह आम तौर पर आकार में छोटी होती है एक सबमर्सिबल के पास बहुत सीमित शक्ति भंडार होता है इसलिए इसे एक मदर शिप की आवश्यकता होती है जो इसे लॉन्च कर सके और इसे पुनर्प्राप्त कर सके।

भारत के गहरे महासागर मिशन के लिए सबक-

'मत्स्य 6000' के बारे में-

- 'मत्स्य 6000' वाहन को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई द्वारा डिजाइन और विकसित किया जा रहा है।
- यह कन्याकुमारी से लगभग 1,500 किमी दूर हिंद महासागर के गहरे समुद्र में खनिजों जैसे संसाधनों की खोज के लिए तीन व्यक्तियों को 6000 मीटर की गहराई तक ले जाएगा।
- मानव सुरक्षा के लिए सामान्य ऑपरेशन के तहत इसमें 12 घंटे और आपातकालीन स्थिति में 96 घंटे की सहनशक्ति है।

डीप ओशन मिशन-

- केंद्र ने पांच वर्षों के लिए 4,077 करोड़ रुपये के कुल बजट पर **डीप ओशन मिशन** को मंजूरी दी हैं।
- यह गहरे समुद्र की प्रौद्योगिकी के विकास पर जोर देने के साथ एक बहु-मंत्रालयी, बहु-विषयक कार्यक्रम है जिसमें गहरे समुद्र में खनन, गहरे समुद्र के खनिज संसाधनों और समुद्री जैव विविधता की खोज, महासागर जलवायु परिवर्तन सलाहकार सेवाओं का विकास, गहरे समुद्र सर्वेक्षण और अन्वेषण, और समुद्री जीव विज्ञान में

क्षमता निर्माण के लिए प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ 6000 मीटर पानी की गहराई के लिए मानवयुक्त पनडुब्बी का विकास शामिल है।

लक्ष्य-

- भारत की एक अनूठी समुद्री 7517 किमी लंबी तटरेखा की स्थिति है, जो नौ तटीय राज्यों और 1,382 द्वीपों का घर है।
- मिशन का उद्देश्य केंद्र सरकार के 'न्यू इंडिया' के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है जो विकास के दस मुख्य आयामों में से एक के रूप में नीली अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालता है।

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (National Institute of Ocean Technology-NIOT)-

- राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) का रजत जयंती समारोह चेन्नई में मनाया गया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत NIOT की स्थापना नवंबर 1993 में तत्कालीन महासागर विकास विभाग (Department of Ocean Development) द्वारा एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी।
- NIOT का प्रबंधन शासकीय परिषद द्वारा किया जाता है और निदेशक इस संस्थान का प्रमुख होता है।

उद्देश्य-

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत NIOT को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone-EEZ), जो भारत के भूमि क्षेत्र का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है, के निर्जीव एवं सजीव संसाधन, के उपयोग से संबंधित विभिन्न प्रौद्योगिकी समस्याओं को सुलझाने के लिये विश्वसनीय देशी तकनीक विकसित करना है।

स्रोत: *TH*

Rajiv Pandey

अम्बुबाची मेला

विषय : जीएस-1/ कला और संस्कृति

संदर्भ:

- अंबुबाची मेले के लिए कामाख्या मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए हाल ही में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ तीन अस्थायी शिविर स्थापित किए गए थे।

प्रमुख बिन्दु-

अम्बुबाची मेला:-

- अम्बुबाची मेला असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर में आयोजित एक वार्षिक हिंदू मेला है।
- स्थान: यह गुवाहाटी, असम, भारत में नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर में होता है।
- **समय:** मेला मानसून के मौसम के दौरान मनाया जाता है, विशेष रूप से असमिया महीने अहार में, जो जून के मध्य के आसपास आता है।
- **अवसर:** अम्बुबाची मेला देवी मां कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म पाठ्यक्रम का उत्सव है, और मंदिर तीन दिनों के लिए बंद रहता है।
- **अन्य नाम**: मेले को अमेती या तांत्रिक प्रजनन उत्सव के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह भारत के पूर्वी हिस्सों में प्रचलित तांत्रिक शक्ति पंथ से निकटता से जुड़ा हुआ है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

कामाख्या मंदिर:

- **स्थान:** मंदिर गुवाहाटी, असम में ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट के पास नीलाचल पहाड़ी पर स्थित है।
- **महत्व:** इसे तांत्रिक प्रथाओं के सबसे सम्मानित केंद्रों में से एक माना जाता है और यह भारत में 51 शक्ति पीठों (देवी शक्ति को समर्पित पवित्र स्थलों) में से सबसे पुराना है।
- **वास्तुकला**: कामाख्या मंदिर दो स्थापत्य शैलियों का एक अनूठा मिश्रण प्रदर्शित करता है: पारंपरिक नागर या उत्तर भारतीय शैली और इस संयोजन को वास्तुकला की नीलाचला शैली के रूप में जाना जाता है।
- **मंदिर में पांच कक्ष हैं:** गर्भगृह या अभयारण्य, अंतराला या वेस्टिब्यूल, जगन मोहन या प्रमुख कक्ष, भोगमंदिर या अनुष्ठान कक्ष, और नटमंदिर या ओपेरा हॉल। प्रत्येक कक्ष में अलग-अलग वास्तुशिल्प विशेषताएं हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के गुंबद और छत के डिजाइन शामिल हैं।
- **सांस्कृतिक महत्व:** मंदिर के नटमंदिर का उपयोग सूक्ति मंदिरों से जुड़े पारंपरिक नृत्य और संगीत प्रदर्शन के लिए किया जाता है। यह अम्बुबाची मेला जैसे त्योहारों के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

Filename: yojna daily current affairs hindi med 24 June
Directory: C:\Users\Plutus ias\Documents
Template: C:\Users\Plutus ias\AppData\Roaming\Microsoft\Templates\Normal.dotm
Title:
Subject:
Author: Plutus ias
Keywords:
Comments:
Creation Date: 6/4/2023 11:26:00 AM
Change Number: 165
Last Saved On: 6/24/2023 2:55:00 PM
Last Saved By: Plutus ias
Total Editing Time: 372 Minutes
Last Printed On: 6/24/2023 3:02:00 PM
As of Last Complete Printing
Number of Pages: 3
Number of Words: 761 (approx.)
Number of Characters: 4,339 (approx.)